Sr. No. of Question Paper :

Unique Paper code : **12057504**

Name of the Paper : **भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत**

Name of the course : **B.A. (Hons) Hindi**

Semester : **V**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75 Marks**

आवश्यक निर्देश

1. उत्तर के पूर्व प्रश्नों को अच्छी तरह समझने का प्रयास करें ।

2. छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें ।

3. प्रत्येक प्रश्न 18.75 अंक का होगा ।

1 भारतीय नाट्य तत्वों का वर्णन कीजिए ।

2 नाटक और रंगमंच के अंतःसंबंधों पर प्रकाश डालिए ।

3 रंगकर्म में 'अभिनेता' और 'पार्श्वकर्म' का क्या महत्व है?

4 पश्चिमी नाट्य भेद 'मेलोड्रामा' और 'त्रासदी' के स्वरूप का विस्तृत विवेचन कीजिए ।

5 भरतमुनि के रस सिद्धांत का विस्तृत विश्लेषण कीजिए ।

6 हिंदी रंगमंच की विकास यात्रा में नुक्कड़ नाटकों के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।